व्यक्तियों और फर्मों की ओर आयकर की बकाया राशि

224. श्री राघवजी : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सर्वाधिक आयकर बकाया वाले 20 व्यक्तियों, फर्मों अथवा कम्पनियों के नाम क्या-क्या हैं और 31 जनवरी, 1995 की स्थिति के अनुसार उनमें से प्रत्येक पर आय कर की कितनी-कितनी राशि बकाया है ; और

(ख) उपर्युक्त निर्धारितियों से आयकर की बकाया राशि की वसूली के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. वी. चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) 31-12-1994 की स्थिति के अनुसार, कर अदा न करने वाले 15 शीर्ष कर बकायादारों के नाम नीचे दिए गए है :--

(करोड़ रुपयों में)

कर बकायादार का नाम	बकाया मांग
1. हर्षद एस० मेहता .	1049.00
2 भारतीय स्टेट बैंक .	742.25
3 श्री हितेन पी० दलाल	451.99
4. मैसर्स भारत हेवी इलैक्ट्रीकल्स लि० .	288.84
5. मैसर्स पीयरलैस जनरल फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट कंपनी लि० .	243.63
6 मैसर्स जी०टी०सी० इंडस्ट्रीज लि0 .	211.76
7 मैसर्स धनराज मिल्स लि०	196.75
8. श्री भूपेन्द्र सी० दलाल	194.86
9 बैंक नेशनल डि पेरिस	166.20
10 सिटी बैंक एन०ए० .	139.38
11. यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया . .	138.60
12 अमेरिकन एक्सप्रैस बैंक	111.08
13 श्री बी०एस० गांधी .	81.67
14 मेसर्स ग्रोमोर रिसर्च एंड एसेटस मैनेजमेंट लि0	79.45
15. मैसर्स स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लि0 .	60.46

(ख) किस्तों की मंजूरी सहित मांग की वसूली करने के लिए विभिन्न प्रकार के कदम उठाए जा रहे हैं और जहां मामले अपील में फंसे हुए हैं, वहां इन अपीलों को तत्काल निपटाने के लिए अपीलीय प्राधिकारियों से अनुरोध किया गया है । कुछ मामलों में, अभिरक्षक के पास रखी हुई कर-निर्धारितियों की परिसंपत्तियों में से वसूली की जा रही है और कुछेक मामलों म मांग की वसूली के लिए विशेष न्यायालय में याचिका दायर की गई है। कुछ मामलों में उच्च न्यायालय/आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा मांग को स्थगित कर दिया गया है ।

आयकर विभाग द्वारा प्रतिभूति घोटाले में की गई कार्यवाही

225. श्री राघवजी : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रतिभूति और बैंक घोटाले के संदर्भ में आयकर विभाग द्वारा किन-किन व्यक्तियों, फर्मों और कंपनियों के खिलाफ क्या-क्या कार्यवाही की गई है ,

(ख) अब तक की गई कार्यवाही के संदर्भ में क्या प्रगति हुई है; और

(ग) यदि कोई कार्यवाही नहीं की गई है, तो उसके क्या कारण हैं ?